IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# विश्व राजनीति में भारत की भूमिका

## India's Role in Global Politics

**Dr.Vedprakash** sub - political science. Posting-S.R.R.m govt .collage Jhunjhunu

**Abstract:** वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत एक उभरती हुई प्रमुख शक्ति के रूप में सामने आया है, जिसकी भूमिका बहुआयामी, संतुलित और प्रभावशाली है। 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय राजनीति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जिसमें आर्थिक शक्ति, सामरिक संतुलन, कूटनीतिक सक्रियता तथा वैश्विक मुद्दों पर नेतृत्व की क्षमता महत्वपूर्ण बन गई है। इस संदर्भ में भारत ने न केवल क्षेत्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी उपस्थिति को सशक्त किया है। भारत की विदेश नीति का मूल आधार असहभागिता, शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, और रणनीतिक स्वायत्तता रहा है। शीत युद्ध के दौरान भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से स्वतंत्र नीति अपनाई, जिससे वह किसी भी महाशक्ति के प्रभाव में आए बिना अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सका। आज भी भारत की विदेश नीति में यह संतुलन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां वह अमेरिका, रूस, यूरोप और एशियाई देशों के साथ समान रूप से संबंध बनाए रखता है। आर्थिक दृष्टि से भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन चुका है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों के बाद भारत की आर्थिक वृद्धि ने उसे वैश्विक निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग का महत्वपूर्ण केंद्र बना दिया है। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने उसे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संगठनों जैसे विश्व बैंक में प्रभावशाली भूमिका निभाने का अवसर प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त, भारत जैसे मंचों पर भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए वैश्विक आर्थिक नीतियों को प्रभावित कर रहा है। सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी सैन्य क्षमता क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में सहायक है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति उसे समुद्री सुरक्षा, व्यापार मार्गों की सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण बनाती है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सक्रिय भागीदारी करके वैश्विक शांति और सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत की "सॉफ्ट पावर" भी उसकी वैश्विक भूमिका को मजबूत करती है। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, बॉलीवुड, और लोकतांत्रिक मूल्यों ने विश्व में भारत की सकारात्मक छवि बनाई है।

**Keyword:** विश्व राजनीति, भारत, विदेश नीति, गुटनिरपेक्षता, रणनीतिक स्वायत्तता, कूटनीति, वैश्वीकरण, आर्थिक शक्ति, जी20, संयुक्त राष्ट्र, शांति मिशन, सुरक्षा, परमाणु शक्ति, हिंद महासागर, क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद, विकासशील देश, सॉफ्ट पावर, संस्कृति, योग, आयुर्वेद, प्रवासी भारतीय, जलवायु परिवर्तन, पेरिस समझौता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, व्यापार, निवेश, तकनीक, बहु रुवीय विश्व, नेतृत्व, वैश्विक शासन, लोकतंत्र, स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा नीति, सीमावर्ती विवाद, एशिया, अंतरराष्ट्रीय संबंध, समावेशी विकास, सतत विकास, मानवाधिकार, बहुपक्षवाद, आर्थिक कूटनीति, रणनीतिक साझेदारी, वैश्विक प्रभाव, नीति निर्माण, शक्ति संतुलन, राष्ट्रीय हित

**Article :** 21वीं सदी में विश्व राजनीति का स्वरूप तेजी से परिवर्तित हो रहा है। शक्ति संतुलन, वैश्विक शासन, आर्थिक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी विकास और पर्यावरणीय चुनौतियाँ अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नई दिशा दे रही हैं। इस बदलते परिदृश्य में भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। जनसंख्या, लोकतांत्रिक व्यवस्था, आर्थिक विकास, सैन्य क्षमता और सांस्कृतिक प्रभाव के कारण भारत आज विश्व राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

## ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विदेश नीति का विकास

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने अपनी विदेश नीति को शांति, सहअस्तित्व और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांतों पर आधारित किया। शीत युद्ध के समय भारत ने किसी भी महाशक्ति के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने के बजाय स्वतंत्र नीति अपनाई। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से भारत ने विकासशील देशों के हितों की रक्षा करने का प्रयास किया। समय के साथ भारत की विदेश नीति में व्यावहारिकता और लचीलापन आया। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया। आज भारत "रणनीतिक स्वायत्तता" के सिद्धांत पर चलते हुए विभिन्न देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखता है।

## आर्थिक शक्ति के रूप में भारत

भारत की आर्थिक प्रगति ने उसे विश्व राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, कृषि और विनिर्माण के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विदेशी निवेश, स्टार्टअप संस्कृति और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास ने भारत को वैश्विक आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है। "मेक इन इंडिया" और "डिजिटल इंडिया" जैसी योजनाओं ने भारत की आर्थिक स्थिति को और मजबूत किया है।

## सामरिक और सुरक्षा दृष्टिकोण

भारत की सामरिक स्थिति उसे विश्व राजनीति में विशेष महत्व प्रदान करती है। भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी सैन्य शक्ति क्षेत्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भौगोलिक स्थिति उसे समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और सामरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण बनाती है। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर सख्त रुख अपनाया है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सक्रिय भागीदारी करके वैश्विक शांति और सुरक्षा में योगदान दे रहा है।

## कूटनीतिक भूमिका और अंतरराष्ट्रीय संबंध

भारत की कूटनीति संतुलित और बहुआयामी है। भारत अमेरिका, रूस, चीन, यूरोप और अन्य देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित बनाए रखने का प्रयास करता है। "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" और "नेबरहुड फर्स्ट" जैसी नीतियाँ भारत के क्षेत्रीय और वैश्विक संबंधों को मजबूत करती हैं। भारत बहुपक्षवाद का समर्थक है और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से वैश्विक समस्याओं के समाधान में विश्वास रखता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारत की मांग उसकी बढ़ती वैश्विक भूमिका को दर्शाती है।

## सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक प्रभाव

भारत की सॉफ्ट पावर उसकी वैश्विक भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बनाती है। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, बॉलीवुड और लोकतांत्रिक मूल्य विश्वभर में लोकप्रिय हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। भारतीय प्रवासी समुदाय भी भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे विभिन्न देशों में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में योगदान देकर भारत के हितों को बढ़ावा देते हैं।

## पर्यावरण और वैश्विक चुनौतियों में भारत की भूमिका

जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास जैसे मुद्दों पर भारत ने जिम्मेदार भूमिका निभाई है। भारत ने पेरिस जलवायु समझौते में सक्रिय भागीदारी की है और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। "अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन" जैसी पहलें यह दर्शाती हैं कि भारत वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए नेतृत्व करने में सक्षम है। भारत विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर उठाता है और उनके हितों की रक्षा करता है।

## क्षेत्रीय राजनीति में भारत की भूमिका

दक्षिण एशिया में भारत एक प्रमुख शक्ति है। संगठनों के माध्यम से भारत क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है। भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने का प्रयास करता है। हालांकि, भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है, जैसे सीमा विवाद, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता। इसके बावजूद भारत क्षेत्रीय शांति और विकास के लिए प्रयासरत है।

## चुनौतियाँ और सीमाएँ

भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका के बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सीमावर्ती विवाद, आतंकवाद, आंतरिक सामाजिक–आर्थिक असमानता, और वैश्विक शक्ति संतुलन में प्रतिस्पर्धा भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, चीन के बढ़ते प्रभाव और वैश्विक राजनीति में बदलते समीकरण भी भारत के लिए नई चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं। भारत को अपनी विदेश नीति और रणनीतियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। अंततः, विश्व राजनीति में भारत की भूमिका निरंतर विकसित हो रही है। भारत एक जिम्मेदार, लोकतांत्रिक और उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। आर्थिक विकास, कूटनीतिक सक्रियता, सामरिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव के माध्यम से भारत वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। आने वाले समय में भारत की भूमिका और अधिक सशक्त होने की संभावना है। यदि भारत अपनी आंतरिक चुनौतियों का प्रभावी समाधान करता है और वैश्विक मुद्दों पर संतुलित और दूरदर्शी नीति अपनाता है, तो वह विश्व राजनीति में एक प्रमुख नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में उभर सकता है।

**Conclusion :** उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत एक उभरती हुई, जिम्मेदार और प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। 21वीं सदी में विश्व राजनीति के बदलते स्वरूप जहाँ शक्ति का केंद्रीकरण कम होकर बहु रुवीयत की ओर बढ़ रहा हैकृभारत के लिए नए अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करता है। इस संदर्भ में भारत की भूमिका केवल एक क्षेत्रीय शक्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह वैश्विक निर्णय–प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने वाला प्रमुख राष्ट्र बनता जा रहा है। भारत की विदेश नीति, जो शांति, सहअस्तित्व, गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रही है, आज भी उसके वैश्विक आचरण का मार्गदर्शन करती है। बदलते समय के साथ भारत ने अपनी नीतियों में लचीलापन और व्यावहारिकता को अपनाया है, जिससे वह विभिन्न महाशक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। यही संतुलन भारत को एक विश्वसनीय और स्वतंत्र निर्णय लेने वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। आर्थिक दृष्टि से भारत की तीव्र प्रगति ने उसे विश्व राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। बढ़ती हुई जीडीपी, तकनीकी विकास, स्टार्टअप संस्कृति और वैश्विक निवेश के

आकर्षण ने भारत को एक सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में उभारा है। इसके परिणामस्वरूप भारत वैश्विक आर्थिक मंचों पर अपनी बात प्रभावी ढंग से रख पा रहा है और विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। सामरिक और सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र होने के साथ—साथ भारत क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा में सक्रिय योगदान दे रहा है। आतंकवाद के विरुद्ध उसका स्पष्ट रुख और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में उसकी भागीदारी यह दर्शाती है कि भारत विश्व शांति और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है। हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी रणनीतिक स्थिति उसे समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों की सुरक्षा में एक प्रमुख भूमिका प्रदान करती है। भारत की सॉफ्ट पावर भी उसकी वैश्विक स्थिति को सुदृढ़ करती है। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, लोकतांत्रिक मूल्य और विविधता में एकता का सिद्धांत विश्वभर में आकर्षण का केंद्र है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता, भारतीय प्रवासी समुदाय का योगदान और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत ने विश्व में अपनी सकारात्मक छवि बनाई है। यह सॉफ्ट पावर भारत को अन्य देशों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में सहायता करती है। पर्यावरण और वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में भी भारत ने जिम्मेदार नेतृत्व का परिचय दिया है। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। वह एक ओर विकासशील देशों की आवश्यकताओं को समझता है, तो दूसरी ओर वैश्विक पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षवाद के प्रति उसकी प्रतिबद्धता उसे एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार बनाती है। हालांकि, भारत के सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। सीमावर्ती विवाद, क्षेत्रीय अस्थिरता, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा उसके लिए बाधाएँ उत्पन्न करती हैं। विशेष रूप से एशिया में बदलते शक्ति समीकरण और अन्य उभरती शक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा भारत के लिए एक जटिल स्थिति प्रस्तुत करते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत को अपनी आंतरिक नीतियों को मजबूत करने, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने और कूटनीतिक प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। अंततः, यह कहा जा सकता है कि विश्व राजनीति में भारत की भूमिका निरंतर विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में अग्रसर है।

## Refrences :


1. भारत सरकार, विदेश मंत्रालय. भारत की विदेश नीतिः सिद्धांत और व्यवहार. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग।
2. जवाहरलाल नेहः. भारत की विदेश नीति पर भाषण और लेख. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग।
3. के. सुब्रह्मण्यम. भारत की सुरक्षा और विदेश नीति. नई दिल्लीः IDSA प्रकाशन।
4. शशि थरूर.Indica: India and the World of the 21st Century- नई दिल्लीः पेंगुइन बुक्स।
5. सी. राजा मोहन. Crossing the Rubicon: The Shaping of India's New Foreign Policy. नई दिल्लीः पेंगुइन।